जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 90
दिनांक 21.07.2015

कृषि छात्रों ने गॉव में किया वृक्षारोपण

जबलपुर, 21 जुलाई। जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय जबलपुर द्वारा ''स्वच्छ भारत अभियान'' के तहत अंगीकृत ग्राम सरसवां में, पौध रोपण आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जनेकृविवि के प्रमंडल सदस्य श्री सुभाष भाटिया, प्रभारी कुलपति डॉ. एस.के. राव, अधिष्ठाता डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री योगेश पटेल, ग्राम सरसवां के सरपंच श्री धर्मेन्द्र पटेल ने सिरिस व शीशम इत्यादि पौधों का रोपण कर पौध रोपण कर जागरूकता पैदा की।

कृषि महाविद्यालय की स्वच्छ भारत अभियान समिति के सदस्यगण डॉ. अर्चना पाण्डे, डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. निशा सप्रे, ने छात्र–छात्राओं एवं ग्रामीण युवाओं को पोध रोपण एवं गाजर घास उन्मूलन हेतु प्रोत्साहित किया। संचालन नोडल अधिकारी डॉ. डी.के. सिंह ने किया। इस अवसर पर ग्राम सरसवां के गुडडा बैरागी, पवन बर्मन, बृजेश विश्वकर्मा, अमित पाण्डेय, नीलम चौहान, हृदेश पटेल आदि का विशेष योगदान रहा।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 92
दिनांक 29.07.2015

कृषि विज्ञान केन्द्रों को 3900 हजार करोड़ की स्वीकृति
प्रदेश को मिली नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की सौगात
विषय वस्तु विशेषज्ञ अब वैज्ञानिक कहलायेंगS

जबलपुर, 29 जुलाई। कृषि मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा देश के बड़े जिलों में दो–दो कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की जा रही है इसके तहत मध्यप्रदेश में तीन बड़े जिलों में एक अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र खोलने की सौगात प्राप्त हुई है। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले दो जिलों सागर एवं छिन्दवाडा में एक–एक नये कृषि विज्ञान केन्द्र खोलने हेतु कैबिनेट समिति से अनुमोदन मिला है। यह जानकारी जनेकृविवि के संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा ने दी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का स्थापना दिवस समारोह एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों का राष्ट्रीय सम्मेलन माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में उद्घाटन के साथ सम्पन्न हुआ। इसमें प्रदेश से आंचलिक परियोजना निदेशक डॉ. अनुपम मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा, वैज्ञानिक डॉ. अनय रावत एवं समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यक्रम समन्वयकों ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

आगामी पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि विज्ञान केन्द्रों को 3900 हजार करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा विषय वस्तु विशेषज्ञों के पदनाम को वैज्ञानिक कर दिया गया है। कृषि विज्ञान केन्द्रों में कुल स्वीकृत पदों की संख्या 16 से बढ़ाकर 22 कर दी गई है। इससे कृषि छात्रों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र के पद नाम कार्यक्रम समन्वयक के स्थान पर केन्द्र प्रमुख/वरिष्ठ वैज्ञानिक कर दिया गया है। प्रशासनिक भवन का क्षेत्र 500 वर्गमीटर से बढ़ाकर 750 वर्गमीटर कर दिया है एवं मृदा परीक्षण किट, कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रक्षेत्रों पर पौध नर्सरी एवं बीज उत्पादन कार्यक्रम के लिए सुदृढ़ीकरण हेतु अतिरिक्त राशि भी प्रदान की जावेगी, जिससे कृषकों को उन्नत फलदार पौधे, उन्नत किस्म की सब्जी, फूल एवं अनाज दलहन–तिलहन फसलों के बीज उपलबध हों। कृषि विज्ञान केन्द्रों की जबावदेवही एवं पारदर्शी बनाने के लिए तीसरे पक्ष के द्वारा सत्त निगरानी एवं समीक्षा की जावेगी। इस सम्मेलन में देश के 2500 से ज्यादा कृषि वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने तिलहन एवं दलहन क्षेत्र को दोगुना वृद्धि करने हेतु कृषि वैज्ञानिकों को साधुवाद भी दिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा देश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु किसानों, वैज्ञानिकों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों को पुरूस्कृत किया गया। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री के सपने लैब–टू–लैण्ड के लिये योजना बनाने पर परिषद के कार्यों के प्रति संतोष व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न नई योजनाएं शुरू करने की घोषणायें की गई जिसमें प्रमुख रूप से **"मेरा गांव मेरा गौरव"**, आर्या, फारमरर्स फर्स्ट एवं स्टूडेंट रेडी आदि शामिल है। इनके अलावा राज्यों को मृदा स्वास्थ योजना एवं मृदा चलित परीक्षण वाहन हेतु 200 करोड़ भी आवंटित किये गये हैं। इन योजनाओं से कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित है।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 93
दिनांक 30.07.2015

सेवानिवृत्ति
जी.एल. पटेल

जबलपुर, 30 जुलाई। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय विभाग के कार्यालय सहायक श्री जी.एल. पटेल अधिवार्षिकी आयु 60 वर्ष पूर्ण कर 34 वर्षो की सेवा उपरान्त आज सेवानिवृत्त होंगे।

–000–